सातवीं पुण्यतिथि

श्रद्धांजलि

18 फरवरी 1945

19 दिसंबर 2017

स्व. अशोक उकाराम बोधा

दैनिक 'उल्हास विकास' के संस्थापक एवं प्रधान संपादक

आपके सदाचार, सादगी और आदर्श को हम नमन करते हैं... आपके ऋणि हम सभी मिलकर, श्रद्धा सुमन अर्पण करते हैं... आपकी दिवगंत आत्मा को परम शांति प्राप्त हो, यही हमारी प्रार्थना है...

उल्हास विकास

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर का लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का

लोकप्रिय हिंदी दैनिक

■ वर्ष : 42 ■ अंक : 243 ■ गुरुवार, 19 दिसंबर 2024 ■ पृष्ठ 4

3 रुपए

ULHAS VIKAS ANDROID APP ON Google play Install now /ulhasvikas

संपादक - हीरो अशोक बोधा (BMM, L.L.B.)

Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

आरक्षित भूखंडों पर खड़ी हैं 25 इमारतें

■ 58 अवैध इमारतों पर होगी तोड़क कार्रवाई

■ हाई कोर्ट ने दिया है आदेश

कल्याण. डोंबिवली, कल्याण शहर के विभिन्न हिस्सों में बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश पर कार्रवाई का इंतजार कर रही 58 अवैध इमारतों में से, लगभग 25 इमारतें कल्याण डोंबिवली महानगर पालिका के विभिन्न आरक्षित भूखंडों, ग्रीन बेल्ट पर बिल्डरों द्वारा बनाई गई हैं। महानगर पालिका के टाउन प्लानिंग विभाग के सर्वेक्षकों द्वारा किये गये सर्वेक्षण से यह निष्कर्ष निकला है.

पिछले चार से पांच वर्षों के दौरान डोंबिवली में बनाई गई 65 अवैध इमारतों के बिल्डरों ने जाली दस्तावेजों के आधार पर इन अवैध इमारतों के लिए महारेरा का पंजीकरण प्रमाण पत्र प्राप्त किया। इन अवैध इमारतों में नागरिकों को यह दिखावा करके घर बेचे गए कि ये इमारतें आधिकारिक थीं। महारेरा प्रमाणपत्र देखकर कई नागरिकों ने यह सोचकर घर खरीद लिए कि ये इमारतें अधिकृत हैं। कुछ बैंकों ने महरेरा का पंजीकरण प्रमाण पत्र देखकर इन अवैध इमारतों में रहने वाले निवासियों को ऋण दिया है।

वास्तुकार और याचिकाकर्ता संदीप पाटिल ने कल्याण डोंबिवली महानगर पालिका के आयुक्त को एक शिकायत के माध्यम से इन अवैध इमारतों के माध्यम से घर खरीदने में नागरिकों के साथ धोखाधड़ी की संभावना व्यक्त की थी। शिकायतकर्ता पाटिल की शिकायत पर महानगर पालिका द्वारा ध्यान नहीं दिया गया। इन 65 अवैध इमारतों के खिलाफ कार्रवाई के लिए पाटिल ने बॉम्बे हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी. याचिका दाखिल होते ही मनपा ने 65 अवैध निर्माण खड़ा करने वाले बिल्डरों के खिलाफ थाने में मुकदमा दर्ज करा दिया।

इस मामले में जमीन मालिक, उनके उत्तराधिकारी, बिल्डर, आर्किटेक्ट जैसे कुल 350 लोगों पर मामला दर्ज किया गया है. मामले की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), ठाणे अपराध शाखा द्वारा की जा रही है। कोर्ट ने अवैध निर्माण के 65 मामलों को गंभीरता से लिया. इस मामले में महानगर पालिका ने इन अवैध निर्माणों को खुद ही तोड़ने का हलफनामा कोर्ट में दिया है. कोर्ट के आदेश के मुताबिक महानगर पालिका को अगले तीन महीने में इन अवैध निर्माणों को तोड़ना है. इस संबंध में महानगर पालिका ने योजना बनाकर इन इमारतों के बिल्डरों और निवासियों को नोटिस जारी कर दस दिन के भीतर इमारतें खाली करने के निर्देश दिए हैं।

65 अवैध इमारतों में से सात को महानगर पालिका पहले ही ढहा चुकी है। नगर नियोजन विभाग के सर्वेक्षणकर्ता ने बताया कि 58 में से एच, सी, एफ, आई, जे, ई वार्डों में कुल 25 इमारतों का निर्माण ग्रीन बेल्ट, मनपा के आरक्षित भूखंडों और कुछ निजी भूमि पर किया गया है। प्रभावित निवासी अदालत के विध्वंस आदेश पर रोक लगाने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाने की कोशिश कर रहे हैं।

4 फर्जी अधिकारी गिरफ्तार

■ उल्हासनगर के दुकानदारों से कर रहे थे वसूली

■ दो महिलाओं का भी समावेश

उल्हासनगर. उल्हासनगर में राज्य सरकार का आईडी कार्ड पहनकर दुकानदारों से हफ्ता वसूलने वाले दो फर्जी अधिकारियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। फर्जी अधिकारी दुकानदार से कह रहे थे कि वह दुकान का निरीक्षण करने आए हैं अगर वे दुकान का निरीक्षण नहीं चाहते हैं तो उन्हें दो लाख रुपये का भुगतान करना होगा. इसी बीच दुकानदार को शक हुआ तो उसने सेंट्रल पुलिस को इस संबंध में जानकारी दी. पुलिस ने जांच की और चारों को गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार फर्जी अधिकारियों के नाम वैभव बागड़े, संतोष पारकर, शुभदा विकारे और शिल्पा पलांडे इन चार लोगों के एक गिरोह को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वहीं पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या इस गिरोह ने किसी और को भी धोखा देकर फिरौती तो नहीं मांगी है.

कल्याण-डोंबिवली में मच्छरों का प्रकोप बढ़ा

■ सरकारी और निजी अस्पतालों में मरीजों की बाढ़

कल्याण. जैसे-जैसे मानसून का मौसम समाप्त होता है और मौसम अधिक आर्द्र होता है, कल्याण डोंबिवली शहर में मच्छरों का प्रकोप काफी बढ़ जाता है। शहर में महानगरपालिका प्रशासन द्वारा कीटनाशक छिड़काव की उपेक्षा मच्छरों के प्रजनन का एक प्रमुख कारण बन रही है। परिणामस्वरूप, मनपा सीमा के भीतर मलेरिया के रोगियों की संख्या में वृद्धि देखी जा रही है. मच्छरों के प्रकोप के कारण शहर में बुखार के मामले बढ़ रहे हैं.

कल्याण-डोंबिवली शहरों सहित ग्रामीण क्षेत्रों में सुबह और शाम मच्छरों के बढ़ते प्रकोप ने शहरी क्षेत्रों में परेशानी खड़ी कर दी है। मच्छरों के डर से नागरिक अपने खिड़कियां और दरवाजे बंद कर खुद को अलग-थलग कर रहे हैं। जबकि कल्याण डोंबिवली मनपा को छिड़काव पर ध्यान देने की आवश्यकता है, शहर में छिड़काव की उपेक्षा के कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है।

विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है कि स्प्रे में इस्तेमाल की जाने वाली दवा की मात्रा कम है तथा अन्य अनावश्यक पदार्थ मिलाए जा रहे हैं। प्रभावी कीटनाशक छिड़काव की कमी और सफाई निरीक्षकों द्वारा नियंत्रण की कमी के कारण मच्छरों का उन्मूलन नहीं हो पा रहा है। मनपा द्वारा सार्वजनिक स्वच्छता और कीटनाशक छिड़काव कार्यों के लिए हर साल करोड़ों रुपए के टेंडर जारी किए जाते हैं। हालाँकि, नागरिकों की शिकायत है कि तुलनात्मक रूप से काम नहीं हो रहा है।

साप्ताहिक कीटनाशक छिड़काव और धूम्रीकरण

महानगरपालिका द्वारा मनपा क्षेत्र में साप्ताहिक कीटनाशक छिड़काव और धूम्रीकरण नियमित रूप से किया जाता है। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखा जाएगा कि शहर में कहीं भी कूड़ा-कचरा जमा न हो। शहर में कई स्थानों पर निर्माण कार्य चल रहा है। इन निर्माण स्थलों पर पानी संग्रहित किया जाता है। इससे मच्छरों का जन्म होता है। महानगर पालिका के ग्रामीण क्षेत्रों तथा मच्छरों की अधिकता वाले स्थानों पर मच्छरों के प्रजनन को कम करने के लिए अभियान चलाया जाएगा। ताकि मच्छरों के प्रजनन को कम किया जा सके और महामारी संबंधी बीमारियों पर नियंत्रण किया जा सके।

-अतुल पाटिल, उपायुक्त
घनकचरा विभाग, कल्याण-डोंबिवली महानगर पालिका

कल्याण रेलवे स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी निकली अफवाह

■ अज्ञात कॉलर के खिलाफ अपराध

कल्याण स्टेशन पर जांच में जुटी पुलिस

उल्हासनगर. दिल्ली से एक अज्ञात व्यक्ति ने उल्हासनगर के सेंट्रल पुलिस स्टेशन में फोन कर धमकी दी कि कल्याण रेलवे स्टेशन को बम से उड़ा दिया जाएगा. रात करीब 12:30 बजे पुलिस कांस्टेबल गणेश सर्जेराव मोरे सेंट्रल पुलिस स्टेशन में ड्यूटी पर थे तभी पुलिस स्टेशन का फोन बजा. जब मोरे ने फोन उठाया तो दूसरी तरफ से शख्स ने नंबर दिया एक व्यक्ति ने कहा कि वह दिल्ली से बोल रहा है। उसने कहा कि इस व्यक्ति ने कल्याण रेलवे स्टेशन पर बम रखा है। उसने यह भी कहा कि वह कल्याण रेलवे स्टेशन को बम से उड़ा देगा.

इसके बाद केंद्रीय पुलिस ने तुरंत इसकी जानकारी ठाणे कंट्रोल रूम और कल्याण रेलवे पुलिस को दी. कल्याण रेलवे पुलिस ने तुरंत बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड के जरिए पूरे रेलवे स्टेशन की घेराबंदी कर दी. तीन से चार घंटे तक चले सर्च ऑपरेशन के बाद पुलिस को बम की अफवाह की सूचना मिली.

इसके तुरंत बाद सेंट्रल पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शंकर अवताडे ने पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे, सहायक पुलिस आयुक्त अमोल कोली की सहमति से बम की अफवाह बताने वाले अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

अंबरनाथ में भीमसैनिकों का निषेध मोर्चा

■ परभणी प्रकरण, पुलिस हिरासत में मौत का मामला

■ निवृत्त न्यायाधीश से जांच कराने की मांग

⏭ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ के सभी आंबेडकरवादी समाज द्वारा परभणी में हुए संविधान प्रतिकृति विटंबना और सोमनाथ सूर्यवंशी की पुलिस कोठड़ी में हुई मौत के निषेध में बुधवार को अंबरनाथ तहसीलदार कार्यालय पर जबरदस्त मोर्चा निकालकर नायब तहसीलदार पाटिल को निवेदन देकर ये मांग की कि दोषी पुलिसकर्मियों अधिकारियों के खिलाफ कड़क कार्रवाई की जाए. मोर्चे के बाद दलित नेताओं ने अपने भाषण में बताया कि महाराष्ट्र सरकार ने दलित समाज द्वारा हुए आंदोलन को शांतिपूर्वक हल करना चाहिए था. दलितों पर लाठीचार्ज किया गया. कांबिंग आपरेशन करके लोगों को गिरफ्तार करके पुलिस ने मारा-पीटा, जिसमें पुलिस कस्टडी में सोमनाथ की मौत हुई है. मोर्चे में आए सभी ने ये मांग की है कि उन्हें इंसाफ चाहिए. मोर्चे में आए हुए आंबेडकरी समाज के लोगों ने अपने हाथों में प्ले बोर्ड उठा रखा था. जिसमें लिखा था 'दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की जाए'.

निवेदन में लिखा है दोषियों को तुरंत निलंबित किया जाए. उनको गिरफ्तार किया जाए. इस निषेध मोर्चे में धनंजय सुर्वे, एड. संदीप भराडे, अनिल गायकवाड़, एड. कृष्णा पाटिल, सुनिल अहिरे, प्रवीण गोसावी, आत्माराम तांबे, सुधीर जाधव आदि उपस्थित थे. पुलिस का तगड़ा बंदोबस्त रहा.

उल्हासनगर के पत्रकारों ने नागपुर में मनाया विधायक आयलानी का जन्मदिन

उल्हासनगर. नागपुर में शीत कालीन सत्र शुरू है और सत्र के दौरान उल्हासनगर के पत्रकार भी आवश्यक खबरों की कवरेज के लिए नागपुर पहुंचे हैं। आमदार कुमार आयलानी एक लोकप्रिय आमदार होने के साथ ही सभी के सम्मान के लिए हमेशा आगे रहते हैं और पत्रकारों का भी यथोचित सम्मान हमेशा उनके द्वारा किया जाता है इसलिए पत्रकार भी हमेशा उनका सम्मान करते हैं।

मंगलवार शाम को नागपुर में आमदार निवास के बगल में स्थित होटल लिटिल इटली में तमाम पत्रकारों के बीच केक काटकर उनका जन्मदिन मनाया गया। इस दौरान उल्हास विकास के संपादक हीरो बोधा, दैनिक धनुषधारी के कृष्णा लालवानी, नवनीत बहटि, संजय राजगुरु, स्वप्निल पाटिल, प्रफुल्ल केदारे, सुजीत श्रीवास्तव, प्रेम जामनानी, अमर शिंदे, सूरज कारकर, अरविंद मिश्रा, राकेश पाठक, विधायक के स्विय सहायक उमेश सोनार, उमेश पंडित व अन्य लोग उपस्थित थे।

अंबरनाथ में सुरक्षा रक्षक का सर फोड़ा, 3 लोगों पर अपराध दर्ज

अंबरनाथ. अंबरनाथ पूर्व जांभीवली गांव निवासी एक सुरक्षा रक्षक को राजाराम सिक्युरिटी वालों ने काम पर वापस ना आने पर लकड़ी से सर और हाथ पर मारकर घायल किया है. पुलिस ने सिक्युरिटी एजेंसी के तीन लोगों राउंडर आनंद पाठक, आशुतोष राय और दुर्गेश राय पर अपराध दाखिल किया है. शहर पूर्व निवासी मिन्कु हरिकेश ठाकुर (27) ने शिवाजी नगर पुलिस को बताया कि वह पहले राजाराम सिक्युरिटी के पास सुरक्षा रक्षक का काम करते थे. उनके यहां से उन्होंने नौकरी छोड़कर 17 दिसंबर को वह दोपहर में 12.30 बजे एमआईडीसी में नौकरी की तलाश में घूम रहे थे कि आनंद नगर पाटिल चौक पर राउंडर आनंद पाठक और आशुतोष राय बाइक पर आए पाठक ने उन्हें आवाज देकर बुलाया और कहा कि काम पर चलो. उन्होंने उनके पास नौकरी करने से इंकार किया तो गाली गलौज करने लगे. राय ने उन्हें ठोसे बुक्के से मारना शुरू किया. राउंडर पाठक ने लकड़ी से सर पर मारा, जिसके कारण उनका सर फट गया और रक्त बहने लगा. मिन्कू अपने आप को बचाकर वहां से भागा. दुर्गेश राय गाड़ी लेकर आया तीनों ने उसे बहुत मारा.

भारत गंगोत्री का लक्ष्य हमेशा शहर विकास ही रहेगा

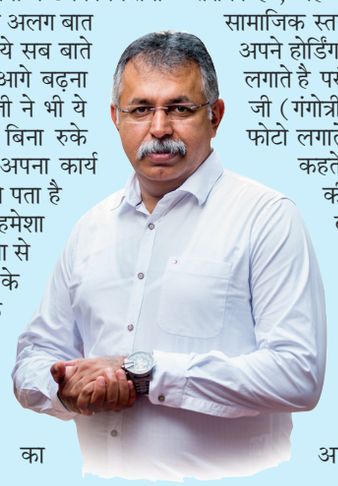

उल्हासनगर. जैसा की आप सब जानते है के, हाल ही में विधान सभा के चुनाव हुए जो कि श्री भारत जी राजवानी (गंगोत्री) ने लड़े थे । देखा जाये तो वो उनका राजनैतिक क्षेत्र नहीं था, लेकिन उल्हासनगर उनकी जन्म भूमी और कर्म भूमी भी है । वह पूरे उल्हासनगर में अपना सामाजिक कार्य हमेशा से ही करते आए है ये तो कोई नई बात नहीं थी नाही उनका चेहरा उल्हासनगर के लिये नया था । उन्होंने ये चुनाव पूरी ताकत लगाकर जी जान से और अपनी मेहनत से लड़े । इस पूरे विधान सभा क्षेत्र में वह एक मात्र ऐसे उम्मीदवार थे जिन्होंने शहर के विकास की बात की, जो उल्हासनगर छोड़ कर चले गए है उन्हें वापस लाने की बात की, उसका क्या नतीजा आया? लोगों ने उनका कितना साथ दिया यह एक अलग बात है । लोक तंत्र में ये सब बाते स्वीकार कर के आगे बढ़ना होता है , भारत जी ने भी ये स्वीकारा है और बिना रुके बिना निराश हुए अपना कार्य जारी रखा है । हमे पता है वह अपना कार्य हमेशा ऐसे ही एक निष्ठता से करते रहेंगे, चुनाव के ऐसे नतीजे उनके सामाजिक कार्य में विघ्न नहीं डाल सकते है क्योंकि जो उनका राजनीति करने का तरीका है , वह राजनैतिक कम और सामाजिक स्तरीय ज़्यादा है । लोग अपने होर्डिंग पर बड़े बड़े फ़ोटोज़ लगाते है परंतु श्री भारत राजवानी जी (गंगोत्री) अपने माताजी का फोटो लगाते है और वह हमेशा कहते है कि उनके माताजी की इच्छा थी की लड़किया पढ़ लिख कर खूब आगे जाये, तो जैसे कि आप सब लोग जानते ही होंगे कि कुछ समय पहले हमने गंगोत्री वेलफेयर फाउंडेशन की तरफ़ से महिला अजेंडा पर कार्यक्रम किया था कि राजनीति में महिलाओं की क्या अपेक्षाएँ होती है और महिलाओं की क्या भूमिका होती है , ऐसा कार्यक्रम उल्हासनगर में कभी कोई नेता ने नहीं किया है !!श्री भारत गंगोत्री जी के काम करने का तरीका उल्हासनगर ५ के रहिवासीयो ने देखा है के किस ढंग से सड़को और बगीचों का निर्माण किया है । राजनीति में उनका समाज को देखने का नजरिया अलग है और वह चाहकर भी अपने इस मुल स्वाभाविक आदत को बदल नहीं सकते है अतः ऐसे नेता को संभाल कर रखना समाज का काम है ।

आज 19 दिसंबर को श्री भारत राजवानी (गंगोत्री) जी के जन्मदिन पर उन्हें हम सब की ओर से जन्मदिवस हार्दिक शुभकामनाएँ ।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

नशे के खिलाफ उठ रही आवाज दफ्न

पंजाब में बरनाला जिले के एक गांव में नशे के खिलाफ उठी एक आवाज जिस तरह दफ्न कर दी गई, उससे यह साफ है कि नशे के सौदागर अपना कारोबार बचाए रखने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। कहा जाता है कि सामाजिक सुधार के अभियान को केवल कानून और पुलिस के दम पर नहीं छोड़ा जा सकता है। इसके लिए समाज को भी आगे आना होगा। इस लिहाज से देखें तो बरनाला जिले के छना गुलाब सिंह वाला गांव के नवनिर्वाचित सरपंच उम्मीद की किरण थे। मगर उनकी हत्या इसलिए कर दी गई कि वे अपने गांव में नशे के खिलाफ मुहिम चला रहे थे।

खबर के मुताबिक, हाल में उन्होंने नशे का इंजेक्शन लगा रहे युवाओं रोका भी था। यों भी, मादक पदार्थों के लत में डूबी पीढ़ी को बचाने के लिए समाज को ही सबसे पहले आगे आना होगा। इस नाते युवा सरपंच ने अपनी जिम्मेदारी निभाई थी, लेकिन इसकी कीमत उन्हें अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। इससे यह भी पता चलता है कि मादक पदार्थों के दंश को कम करने के प्रति सरकार का रवैया कितना ढीला-ढाला है और उससे उपजी आपराधिक प्रवृत्ति की रोकथाम में वह किस स्तर पर नाकाम है

हैरानी की बात है कि एक तरफ सरकार ठोस कार्रवाई करने का आश्वासन देती रही और दूसरी तरफ नशे का कारोबार फैलता गया। सवाल है कि किसकी सांठगांठ से यह धंधा फल-फूल रहा है? राज्य के सीमावर्ती गांवों और कस्बों में स्थिति बहुत खराब बताई जाती है। योजनाएं बनाने और सिर्फ आश्वासन देने में समय बर्बाद करने के बजाय जरूरत इस बात की थी कि मादक पदार्थों पर पाबंदी लगाई जाती। समाज को भी इसके खिलाफ खड़ा होना चाहिए था, लेकिन किसी के लिए यह कोई जरूरी काम नहीं था।

राज्य की सरकार भले ही नशीले पदार्थों की खरीद-बिक्री रोकने और इसके खिलाफ अभियान चलाने के दावे करती हो, लेकिन हकीकत यही है कि वहां भारी संख्या में युवा नशे की गिरफ्त में गहरे फंसते गए हैं। कुछ बड़े शहरों में इसकी लत तेजी से बढ़ी है। कई तरह के मादक पदार्थों का सेवन कोई नई बात नहीं है। मगर यहां के युवाओं में जिस तरह मादक पदार्थों के इंजेक्शन और 'कैप्सूल' लेने का चलन बढ़ा है, यह गंभीर चिंता की बात है।

ईवीएम पर उठ रहे सवाल लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं

भारत विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में प्रतिष्ठित है, लेकिन पिछले कुछ समय से देश में ऐसे प्रयास हो रहे हैं जो इस प्रतिष्ठा पर आघात करते हैं। ये प्रयास चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाने से जुड़े हैं। इन सवालों के घेरे में सबसे प्रमुख तो इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन यानी ईवीएम है।

निर्वाचन आयोग से लेकर अन्य जिम्मेदार संस्थाओं पर भी गैर-जिम्मेदाराना ढंग से आरोप लगाने का सिलसिला जोर पकड़ता जा रहा है। चुनाव हारने वाले राजनीतिक दल ही अक्सर ईवीएम और चुनाव आयोग को लेकर दुष्प्रचार करना शुरू कर देते हैं। ऐसे आरोप तब अपना आधार खो देते हैं, जब उसी दल या उसके सहयोगी को उसी दौरान हुए किसी अन्य राज्य के चुनाव में सफलता मिल जाती है, लेकिन दूसरे प्रदेश में वह हार जाता है।

हाल के समय में पहले जम्मू-कश्मीर एवं हरियाणा और फिर महाराष्ट्र एवं झारखंड में यही सिलसिला देखने को मिला। जहां महाराष्ट्र की हार के बाद शरद पवार जैसे अनुभवी नेता ने भी ईवीएम को लेकर सवाल उठाने शुरू कर दिए। उनके गठबंधन के सहयोगी नेता उद्धव ठाकरे ने तो उन एक्टिविस्ट से मेल-मुलाकात की जो ईवीएम के खिलाफ मुहिम चलाने के लिए जाने जाते हैं।

कांग्रेस ने तो इस मामले में तब हद ही कर दी, जब उसने भारत जोड़ो यात्रा की तरह ईवीएम विरोधी यात्रा निकालने का एलान किया। हालांकि इन दलों को झारखंड में भाजपा को मिली हार में ईवीएम के स्तर पर दोष नहीं दिखता। विपक्षी खेमे के इन नेताओं के आरोपों की हवा खुद उमर

अब्दुल्ला और टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी जैसे सहयोगी निकाल देते हैं। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री और नेशनल कांफ्रेंस के मुखिया उमर अब्दुल्ला ने बीते दिनों स्पष्ट रूप से कहा, 'हारे तो ईवीएम खराब, जीते तो सही, यह नहीं चलेगा।' उमर की इस नसीहत के बावजूद ईवीएम विरोध को लेकर विपक्षी दलों का यह रवैया बदलने वाला नहीं है।

ईवीएम को लेकर विपक्षी नेता हर बार कोई दूर की कौड़ी लेकर आते हैं। जैसे हरियाणा चुनाव के बाद ईवीएम की बैट्री के स्तर को लेकर नया विवाद शुरू किया गया कि इतने उपयोग के बाद भी उनकी बैट्री इतनी चार्ज कैसे रह सकती है? चुनाव आयोग ने इसका स्पष्टीकरण भी दिया, लेकिन महाराष्ट्र चुनाव नतीजों के बाद ऐसे आरोप फिर से सतह पर आने लगे। कभी ईवीएम में पहले से ही किसी पार्टी के पक्ष में कुछ वोट फीड करने के आरोप लगाए जाते हैं।

कुछ और नहीं तो मतदान प्रतिशत के अंतिम आंकड़े पर विवाद खड़ा कर दिया जाता है। कभी ईवीएम को हैक करने के आरोप लगाए जाते हैं, लेकिन चुनाव आयोग द्वारा हैकाथन जैसे आयोजन के बावजूद ऐसा कोई आरोप सिद्ध नहीं किया जा सका। यह स्थिति तब है जब चुनावी प्रक्रिया के प्रत्येक पड़ाव को सभी राजनीतिक दलों एवं प्रत्याशियों के प्रतिनिधियों की सहमति के बाद ही आगे बढ़ाकर समूची निर्वाचन प्रक्रिया को संपादित किया जाता है। इसी प्रकार मतदाता सूचियों में हेरफेर के आरोप भी लगाए जाते रहे हैं। चुनाव के बाद ऐसे आरोपों का क्या तुक और उनके पक्ष में पुख्ता प्रमाण भी नहीं दिए जाते।

हालांकि ऐसा नहीं है कि मौजूदा विपक्ष को ही ईवीएम में खोट नजर आती है। विपक्ष में रही भाजपा भी ईवीएम के खिलाफ आवाज उठाती रही है। उसके शीर्ष नेता लालकृष्ण आडवाणी ने एक पुस्तक में ईवीएम विरोध पर विचार भी व्यक्त किए थे। इसमें कोई संदेह नहीं कि दुनिया की सबसे बड़ी चुनावी प्रक्रिया में कहीं किसी छोटे स्तर पर कुछ तकनीकी आदि कारणों से गड़बड़ हो सकती है, लेकिन संस्थागत रूप से कोई व्यापक गड़बड़ी संभव नहीं, जिससे किसी एक पार्टी को ही फायदा पहुंचे।

आज के इंटरनेट मीडिया युग में जहां हर छोटी बात बड़ी बन जाती हो और मीडिया की व्यापक निगरानी हो, वहां चुनावी प्रक्रिया में विसंगति से जुड़े आरोप भरोसेमंद नहीं लगते। यह सही है कि चुनावी प्रक्रिया में बाहुबल एवं धनबल के अलावा नाना प्रकार के संसाधनों और मीडिया एवं इंटरनेट मीडिया द्वारा विमर्श के स्तर पर हस्तक्षेप से मतदाताओं को साधने के उपायों को लेकर कुछ सवाल खड़े हो सकते हैं, लेकिन इससे पूरी चुनाव प्रक्रिया और संस्थानों को कठघरे में नहीं खड़ा किया जा सकता।

नियमितता के साथ बैठने से हम ध्यानाभ्यास में अधिक माहिर होते जाएँगे।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

श्रीलंका ने चीन की बजाय भारत को चुना

पड़ोसी के रूप में भारत और श्रीलंका के बीच केवल कूटनीतिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि आपसी सहयोग के स्तर पर भी संबंधों की एक मजबूत कड़ी रही है। मगर पिछले कुछ समय से बदलती भू-राजनीतिक तस्वीर में श्रीलंका में चीन के प्रभाव का विस्तार होता दिखा है। हाल ही में जब वहां के संसदीय चुनाव में श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके के नेतृत्व वाले गठबंधन को भारी जीत मिली तो इस धारणा को और बल मिला कि अब शायद चीन को वहां अपने पांव और फैलाने का मौका मिलेगा।

मगर सत्ता में आने के बाद अब जिस तरह दिसानायके ने अपने विदेश दौरे के लिए सबसे पहले भारत को चुना, उससे कई संकेत उभरते हैं। यों भी कोई देश कूटनीतिक स्तर पर भले ही दुनिया भर में अपने संपर्कों का विस्तार करे, लेकिन बहुत कुछ इस पर भी निर्भर करता है कि अपने पड़ोसी देशों के साथ उसके संबंध कैसे हैं। इस लिहाज से श्रीलंका के राष्ट्रपति दिसानायके के भारत दौरे की अपनी अहमियत है।

दरअसल, करीब दो वर्ष पहले जब श्रीलंका घोर आर्थिक संकट से जूझ रहा था और वहां अराजकता जैसे हालात पैदा हुए, तब भी भारत ने उस स्थिति से उबरने में अपनी ओर से हर स्तर पर सहयोग किया था। श्रीलंका के राष्ट्रपति ने इस सहयोग को याद करते हुए एक तरह से भारत के प्रति आभार जताया और साफ शब्दों में यह आश्वासन दिया कि वे अपने देश की जमीन का इस्तेमाल भारत के खिलाफ नहीं होने देंगे। यह भारत के लिए एक राहत भरा संदेश है, क्योंकि सीमापार के इलाकों में स्थित ठिकानों से

संचालित आतंकी गतिविधियों का दंश भारत ने लंबे समय से झेला है।

इसके अलावा, भारत और श्रीलंका ने अपनी साझेदारी को विस्तार देने के लिए भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण अपनाते हुए रक्षा सौदे को जल्द अंतिम रूप देने का संकल्प लिया और बिजली ग्रिड कनेक्टिविटी और बहु-उत्पाद पेट्रोलियम पाइपलाइन स्थापित करके ऊर्जा संबंधों को मजबूत करने का भी फैसला लिया है। आर्थिक और ऊर्जा क्षेत्र में साझेदारी के साथ ही साइबर सुरक्षा के लिए नए मोर्चे पर काम करने के साथ-साथ आतंकवाद, तस्करी और संगठित अपराधों के खिलाफ साझा लड़ाई के लिए भी सहयोग को विस्तार दिया जाएगा।

कहा जा सकता है कि एक विकट दौर से निकल कर श्रीलंका अब अपनी स्थिति में सुधार के लिए ठोस प्रयास कर रहा है। इस क्रम में भारत के साथ संबंधों के नए अध्याय से भविष्य को लेकर बेहतर उम्मीदें पैदा होती हैं। गौरतलब है कि अनुरा कुमार दिसानायके जनता विमुक्ति पेरामुना यानी जेवीपी के सबसे अहम नेता रहे हैं और उन्होंने वामपंथी दलों के गठबंधन नेशनल पीपल्स पावर यानी एनपीपी के तहत चुनाव लड़ा था। एनपीपी का भारत विरोधी रुख छिपा नहीं रहा है।

इसलिए यह आशंका स्वाभाविक थी कि दिसानायके के सत्ता में पांव मजबूत होने के बाद क्या श्रीलंका की नीति बदलेगी और उसके कदम चीन की ओर बढ़ेंगे! मगर यह भी तथ्य है कि विदेश नीति के मामले में श्रीलंका अब तक गुटनिरपेक्षता की राह पर चलता आया है। आमतौर पर किसी देश की सत्ता के बदलने के बावजूद विदेश नीति में बहुत ज्यादा बदलाव नहीं आता है। साथ ही, श्रीलंका और भारत के बीच साझेदारी का एक लंबा सफर रहा है। इसलिए, अगर दोनों देश एक दूसरे के सुरक्षा हितों और संवेदनशीलताओं को ध्यान में रख कर आगे कदम बढ़ाते हैं तो यह द्विपक्षीय हित में एक जरूरी पहल होगी।

किस देश में लिए जाते हैं सबसे ज्यादा तलाक?

दुनिया बहुत बड़ी है और हर एक इलाके की अपनी खासियत होती है. हमें इनमें से उन चीज़ों के बारे में पता

जरा हट के

होता है, जो काफी अलग होती हैं लेकिन बहुत से तथ्य ऐसे होते हैं, जो हम नहीं जानते हैं. एक ऐसा ही दिलचस्प सवाल लोगों से पूछा गया, जिसका जवाब वो नहीं दे पाए. शायद आप भी इसका जवाब नहीं जानते होंगे.

हमारा सामान्य ज्ञान कितना भी अच्छा हो, कुछ न कुछ हमसे छूट ही जाता है. तभी तो कोई नई चीज़ पूछ ली जाए, तो

बस दिमाग ही खराब हो जाता है. कुछ ऐसा ही हुआ जब लोगों से पूछा गया कि दुनिया के किस देश में सबसे ज्यादा तलाक होते हैं? तरह-तरह के जवाब देने के बाद भी लोग सही जवाब तक नहीं पहुंच पाए. क्या आपको पता है उस देश का नाम?

वायरल हो रहे वीडियो में आप देख सकते हैं कि एक शख्स हाथ में माइक लेकर लोगों से जगह-जगह एक ही सवाल पूछ रहा है. उसका सवाल ये है कि दुनिया में सबसे ज्यादा तलाक किस देश में होते हैं? लोगों ने अमेरिका से लेकर यूनाइटेड किंगडम, स्पेन, थाईलैंड, यहां तक कि फिनलैंड तक का नाम ले लिया. जब शख्स ने हिंट दिया कि ये देश दक्षिण एशिया में है, तो भी कोई उसके नाम तक नहीं पहुंच पाया.

इस देश में लोग नहीं रहना चाहते साथ-साथ

आखिरकार सवाल पूछने वाले शख्स ने खुद ही इस सवाल का जवाब दे दिया. उसने बताया कि साउथ एशिया में मलेशिया वो देश है, जहां पर सबसे ज्यादा लोग तलाक लेते हैं. सुनने वाले ये जानकर चौंक गए क्योंकि उन्हें शायद किसी पश्चिमी देश की उम्मीद थी. 5 दिन पहले शेयर किए गए इस वीडियो को करीब 8 लाख लोगों ने देखा है और 6 हज़ार से ज्यादा लोगों ने लाइक किया है. वीडियो पर कमेंट करते हुए यूज़र्स ने लिखा- चलो कहीं मालदीव नंबर एक पर आया.

आप भी तो नहीं खा रहे कहीं नकली टोमैटो सॉस

ज्यादातर लोग खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए टोमैटो सॉस का इस्तेमाल करते हैं. देसी फूड पकौड़े, आलू के पराठे और कचौड़ी के अलावा फास्ट फूट आइटम्स जैसे कि चाऊमीन, पेटीज, बर्गर, सैंडविच आदि में खूब डाला जाता है. मगर, नकली टोमैटो सॉस आपकी सेहत को धीरे-धीरे बिगाड़ सकता है. यहां तक कि लंबे समय तक इसका सेवन गंभीर बीमारियों की वजह बन सकता है.

■ शुद्धता की पहचान के लिये इन 4 बातों का रखें ध्यान

आजकल कम पैसों का इन्वेस्ट कर ज्यादा कमाने के लालच में हर एक चीज में मिलावट होने लगी है. मार्केट में नकली टोमैटो सॉस भी धड़ल्ले से बेचा जा रहा. कहीं आप भी तो नकली टोमैटो सॉस ही नहीं खा रहे हैं. यह जानने के लिए आपको असली और नकली की पहचान करनी आनी चाहिए, इसके लिए हम आपको एक दो नहीं बल्कि 4 तरीके बता रहे हैं.

■ वाटर टेस्ट करें

वाटर टेस्ट की मदद से आप घर पर आसानी से असली और नकली टोमैटो सॉस की पहचान कर सकते हैं. इसके लिए एक गिलास पानी में एक चम्मच सॉस डालें. अगर यह जल्दी घुल जाए या लाल रंग छोड़ने लगे तो समझ जाना कि सॉस में कलर मिलाया गया है. दरअसल अच्छी क्वालिटी का टौमेटो सॉस पानी में तैरेगा और उसका रंग नहीं बदलेगा.

■ गाढ़ेपन होगी पहचान

टमाटर से बना असली सॉस गाढ़ा होता है लेकिन ज्यादा चिपचिपा नहीं. अगर सॉस में आरारोट या फिर कॉर्न स्टार्च की मिलावट हो, तो इसका टेक्सचर गाढ़ा या फिर चिपचिपा हो सकता है. वहीं अगर सॉस का टेस्ट खट्टा और हल्का सा मीठा है, तो टोमैटो सॉस असली हो सकता है. जबकि नकली सॉस का टेस्ट तेज और थोड़ा अलग लग सकता है.

■ आयोडीन टेस्ट भी कारगर

नकली टोमैटो सॉस की जल्दी पहचान करने के लिए आप आयोडीन टेस्ट कर सकते हैं. इसके लिए सॉस पर थोड़ा आयोडीन डालें और अच्छी तरह से मिलाएं, अगर सॉस का रंग नीला हो जाए तो उसमें अरारोट जैसे स्टार्च की मिलावट होगी. दरअसल अरारोट का इस्तेमाल सॉस को गाढ़ा करने में किया जाता है.

■ कलर से करें पहचान

असली और नकली टोमैटो सॉस की पहचान करने का तरीका उनका कलर भी है. टमाटर से बने असली सॉस का रंग हमेशा नेचुरल लाल दिखेगा. जबकि नकली सॉस को देखेंगे तो उसका रंग अजीब सा डार्क या एकदम लाइट लगेगा. नकली सॉस में गांठ और काले धब्बे भी होते हैं. इसमें टमाटर की जगह सिंथेटिक कलर मिले होते हैं.

■ घर पर ही बना सकते हैं टोमैटो सॉस

मिलावट के इस खेल से बचने के लिए आप घर पर टमाटर और कुछ मसालों की मदद से टोमैटो सॉस बना सकते हैं. यहां तक कि आपको किसी भी तरह का पिजर्वेटिव्स इस्तेमाल करने की जरूरत नहीं पड़ेगी. कम वक्त में घर पर टोमैटो सॉस आसानी से बन जायेगा.

मशरूम मटर की सब्जी

ठंड का मौसम शुरू होते ही मार्केट में हरी मटर आना शुरू हो जाती हैं। ऐसे में हर घर में मटर से बनी अलग-अलग डिशेज भी तैयार की जाती हैं। अगर आप मटर से टेस्टी सब्जी बनाना चाहते हैं तो इसे मशरूम के साथ मिलाकर बनाएं। मशरूम मटर की सब्जी स्वाद में जबरदस्त लगती है। इसे आप घर पर आसानी से बना सकते हैं। यहां पर हम रेस्टोरेंट स्टाइल मटर मशरूम की सब्जी बनाने का तरीका बता रहे हैं। देखिए-

सामग्री :

- एक कप मशरूम
- एक कप फ्रेश मटर
- 4 मीडियम टमाटर
- 2 मीडियम आकार की प्याज
- 3 से 4 हरी मिर्च
- एक छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर
- एक छोटा चम्मच हल्दी पाउडर
- आधा छोटा चम्मच गरम मसाला
- एक चम्मच धनिया पाउडर
- 2 चम्मच अदरक लहसुन का पेस्ट
- 4 बड़े चम्मच तेल
- नमक स्वादानुसार
- धनिया पत्ती

विधि :

इस सब्जी को बनाने के लिए एक पैन में तेल गर्म करें। फिर इसमें बारीक कटा प्याज डालें और इसे अच्छे से भूनें। फिर इसमें अदरक-लहसुन का पेस्ट डालें। और अच्छी तरह से भून लें। फिर कटे हुए टमाटर और हरी मिर्च इसमें डालें। अच्छे से मिक्स करें और फिर इसमें हल्दी, लाल मिर्च, धनिया पाउडर डालें। अब इस मसाले को तब तक भूनें जब तक कि मसाले के किनारों से तेल न छूटने लगे। फिर इसमें कटे हुए मशरूम और मटर डालें। अच्छे से मिक्स करें और कुछ देर तक भून लें। इसमें पानी और नमक डालकर मिक्स करें और फिर जरूरत के मुताबिक पानी डालें। जब मटर नरम हो जाए तो ढक्कन के बिना सब्जी को पकाएं। जब सब्जी अच्छी तरह से पक जाए तो इसमें गरम मसाला पाउडर डालें। इसे धनिया पत्ती से गार्निश करें। सब्जी तैयार है इसे पराठे या फिर रोटी के साथ सर्व करें।

QR कोड स्कैन करते समय रखें सावधानी

अलग-अलग थानों में साइबर ठगी के कई मामलों में शिकायत दर्ज करवाई गई जो QR से हुई. किसी के साथ QR को स्कैन करने को कहा गया तो, किसी को जबरन QR कोड स्कैन कर पेमेंट भेजने के लिए धमकाया गया ऐसे मामलों मे शिकायत दर्ज करवाई गई थी. ऑनलाइन पेमेंट का प्रचलन बढ़ने के साथ ही लोग अब हार्ड कैश रखने की जगह ऑनलाइन पेमेंट पर भरोसा करने लगे हैं. इस पेमेंट के लिए अक्सर दुकानों, रेस्टोरेंट्स, शोरूम या किसी ठेले वाले के पास भी क्यूआर कोड स्कैन करना होता है. पेमेंट का ये आसान और सटीक जरिया है, जिसमें न अकाउंट नंबर गलत होने का चांस है और न पैसा इधर-उधर कहीं और जाने का. इसे सेफ मानकर लोग बिना सोचे समझें क्यूआर कोड से पेमेंट करते हैं. इसी सोच का फायदा उठाकर अब क्यूआर कोड से भी ठगी होने की संभावनाएं बढ़ गई हैं.

जानिए कैसे होता है ये फ्रॉड

आपके मोबाइल पर जब भी ऐसा कोई ऑफर आए कि आप क्यूआर कोड स्कैन कर लॉटरी जीत सकते हैं, तो जरा सावधान हो जाइए, क्योंकि ऐसा करने से पैसा अकाउंट में आएगा नहीं बल्कि बचा-कुचा पैसा भी निकलने की नौबत आ सकती है. लॉटरी के जरिए बड़ी रकम जीतने का ऑफर देकर साइबर ठग क्यूआर कोड भेजते हैं, जिसे आप स्कैन करेंगे और सिक्योरिटी पिन डालेंगे. इतना करते ही चुटकियों में आपके अकाउंट से पैसे निकल जाएंगे.

इस फ्रॉड से कैसे बचें?

इस तरह के सायबर फ्रॉड से बचने के लिए रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने कुछ ही दिन पहले गाइडलाइन शेयर की है. इसके मुताबिक जब तक आपको ये पता न चले कि क्यूआर कोड भेजने वाला कौन है, तब तक क्यूआर कोड स्कैन करने की गलती न करें. ये ध्यान रखें कि क्यूआर कोड का उपयोग सिर्फ भुगतान या पेमेंट करने के लिए ही किया जाता है. किसी क्यूआर कोड को स्कैन कर रकम जीतना असंभव ही है. अपने मोबाइल में अगर ऑनलाइन पेमेंट एप यूज करते हैं तो उस पर स्क्रीन लॉक लगाकर ही रखें. अपना सिक्योरिटी पिन भी किसी के साथ शेयर न करें.

बच्चों के मोटापे को बढ़ाने वाली गलती

■ इन चौंकाने वाले उपाय से पाएं राहत!

आल इंडिया एसोसिएशन फॉर एडवांसिंग रिसर्च इन ओबेसिटी के अध्यक्ष डॉ. महेंद्र नारवरिया ने जानकारी दी, "आजकल ज्यादातर लोग मोटापे से परेशान हैं. एक शोध के अनुसार, शहरी लोगों में ग्रामीण लोगों की तुलना में 60-65 प्रतिशत ज्यादा चर्बी पाई जाती है. इसका सबसे बड़ा कारण अनियमित खानपान है. लोग घर के खाने के बजाय बाहर का जंक फूड और तला-भुना खाना ज्यादा खाते हैं, जिससे कैलोरी बर्न नहीं हो पाती और वजन बढ़ता है."

■ महिलाओं और बच्चों में बढ़ती समस्या

डॉ. नारवरिया बताते हैं कि अब 20 से 40 वर्ष के लोगों और महिलाओं में भी मोटापा तेजी से बढ़ रहा है. खासतौर पर महिलाएं बच्चे के जन्म के बाद वजन बढ़ने की समस्या का सामना करती हैं. इसे नियंत्रित करना मुश्किल हो जाता है, लेकिन अगर शरीर का सही ध्यान रखा जाए और रोजाना शारीरिक व्यायाम किया जाए, तो मोटापे को दूर किया जा सकता है.

■ बच्चों में मोटापे के मुख्य कारण

बच्चों में मोटापे के दो मुख्य कारण होते हैं:

अनुवांशिक कारण – अगर परिवार के लोगों में मोटापे की समस्या है, तो बच्चे भी इसके शिकार हो सकते हैं.

खानपान की आदतें – तले-भुने और हाई-कैलोरी वाले भोजन के कारण मोटापा बढ़ता है. इसके अलावा, शारीरिक गतिविधियों की कमी, बदलती जीवनशैली और बैठे रहने की आदत भी मोटापे का कारण बनती हैं.

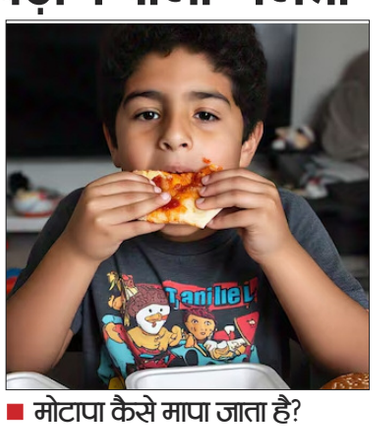

■ मोटापा कैसे मापा जाता है?

मोटापे को जांचने के तीन मुख्य तरीके हैं:

- शरीर में चर्बी, मांसपेशियों, हड्डियों और पानी की मात्रा जानना.
- बॉडी मास इंडेक्स (BMI) की जांच करना.
- कमर और कूल्हे के आकार को मापना.

■ मोटापा दूर करने के उपाय

- सही डाइट अपनाएं: अंकुरित दालें, मौसमी फल और हरी सब्जियां ज्यादा खाएं.
- व्यायाम करें: हर सुबह योग-प्राणायाम और हल्का व्यायाम करें.
- जंक फूड से दूर रहें: हाई-फैट दूध, मक्खन, पनीर, फास्ट फूड और तले-भुने खाने से बचें.
- नियमित चेकअप कराएं: शरीर की स्थिति जानने के लिए समय-समय पर मेडिकल चेकअप कराएं.
- मोटापे को नियंत्रित करने के लिए जीवनशैली में बदलाव और स्वस्थ आदतें अपनाना बेहद जरूरी है.

आज का राशिफल

मेष : मन की चंचलता पर नियंत्रण रखें। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी। जीवनसाथी पर आपसी मेहरबानी रहेगी। जल्दबाजी में धनहानि हो सकती है। व्यवसाय में वृद्धि होगी। नौकरी में सुकून रहेगा। निवेश लाभप्रद रहेगा। कार्य बनेंगे।

वृषभ : स्थायी संपत्ति की खरीद-फरोख्त से बड़ा लाभ हो सकता है। प्रतिद्वंद्विता रहेगी। पार्टनरों का सहयोग समय पर मिलने से प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा। व्यवसाय ठीक-ठीक चलेगा। आय में वृद्धि होगी। चोट व रोग से बाधा संभव है।

मिथुन : पार्टी व पिकनिक की योजना बनेगी। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

कर्क : घर-बाहर अशांति रहेगी। कार्य में रुकावट होगी। आय में कमी तथा नौकरी में कार्यभार रहेगा। बेवजह लोगों से कहासुनी हो सकती है। दुःखद समाचार मिलने से नकारात्मकता बढ़ेगी। व्यवसाय से संतुष्टि नहीं रहेगी। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं।

सिंह : प्रयास सफल रहेंगे। किसी बड़े कार्य की समस्याएं दूर होंगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। कर्ज में कमी होगी। संतुष्टि रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। अपना प्रभाव बढ़ा पाएंगे। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। निवेश शुभ रहेगा।

कन्या : दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। व्यवसाय में जल्दबाजी से काम न करें। चोट व दुर्घटना से बचें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर स्थिति मनोनुकूल रहेगी। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

तुला : उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। जुए व लॉटरी के चक्कर में न पड़ें।

वृश्चिक : आज अप्रत्याशित धन खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था नहीं होने से परेशानी रहेगी। व्यवसाय में कमी होगी। नौकरी में नोकझोंक हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं। थकान महसूस होगी। अपेक्षित कार्यों में विघ्न आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

धनु : अज्ञात भय व चिंता बने रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। बगैर मांगे किसी को सलाह न दें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। धनार्जन होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

मकर : नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। प्रतिष्ठा वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे। नौकरी में वर्चस्व स्थापित होगा। आय के स्रोत बढ़ सकते हैं। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। घर-बाहर सहयोग व प्रसन्नता में वृद्धि होगी।

कुंभ : पूजा-पाठ व सत्संग में मन लगेगा। आत्मशांति रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। किसी सामाजिक कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है।

मीन : व्यवसाय ठीक चलेगा। मित्र व संबंधी सहायता करेंगे। आय बनी रहेगी। जोखिम न लें। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। पुराना रोग बाधा का कारण रहेगा। स्वास्थ्य पर खर्च होगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

आठवीं के छात्र ने महिला का रेत दिया गला

फतेहपुर. फतेहपुर से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां मंगलवार दोपहर आठवीं में पढ़ने वाले 14 साल के किशोर ने उलाहना देने पर स्कूल के ही एक छात्र की मां का चाकू से गला रेत दिया। महिला ने तड़पकर मौके पर ही दम तोड़ दिया। ये घटना जाफरगंज थाना क्षेत्र के रमदिनवारपुर का है। राजेश निषाद का 12 साल का बेटा मोनू गांव में ही कंपोजिट विद्यालय में कक्षा सात का छात्र है। मंगलवार को उसका स्कूल में पढ़ने वाले गांव के ही कक्षा आठ के छात्र से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। जिसमें आठवीं के छात्र ने मोनू की पिटाई कर दी। छुट्टी के बाद मोनू अपनी मां रानी से स्कूल में हुई मारपीट की बात बता रहा था। इसी दौरान आरोपी अपना पानी पूरी का ठेला लेकर निकला। रानी ने उससे बेटे संग मारपीट का कारण पूछा और उलाहना देने लगी जिससे वह आग बबूला हो गया। ठेले में प्याज काटने के लिए रखा चाकू उठाकर रानी के गले में ताबड़तोड़ कई वार कर दिए। कुछ देर तड़पने के बाद वह मौके पर ही ढेर हो गई। सूचना पर थाना पुलिस संग एएसपी, सीओ मौके पर पहुंचे। सीओ होरीलाल सिंह ने बताया कि छात्र की तलाश कर रहे हैं।

मुंह बोली मौसी ने नौकरी के नाम पर युवती को बेचा, जबरन बनवाए शारीरिक संबंध

गोरखपुर. नौकरी दिलाने के नाम पर एक मुंह बोली मौसी ने गोरखपुर की युवती को हरियाणा ले जाकर बेच दिया। वहां उसकी एक युवक से शादी कराई गई जिसने जबरन शारीरिक संबंध भी बनाए। बाद में युवती के मां-बाप ने केस दर्ज कराया तो पुलिस ने युवती को हरियाणा से मुक्त कराया। अब युवती ने अपने बयान में मुंह बोली मौसी के साथ ही दूल्हे को भी कठघरे में खड़ा किया है। मजिस्ट्रेट के सामने बयान कराने के बाद पुलिस ने कथित मौसी की तलाश शुरू कर दी है। वहीं दूल्हे को भी मुकदमे में शामिल करने की तैयारी है। युवती ने बताया कि लखनऊ में नौकरी दिलाने के लिए मौसी उसे अपने साथ ले गई। लेकिन लखनऊ की जगह दिल्ली ले आई और वहां धमकाया कि उसे एक युवक के झूठी शादी करनी है फिर गहना और पैसा लेकर भाग आना है। मना करने पर उसने धमकी दी थी। शादी के बाद उसके कथित पति ने जबरिया शारीरिक संबंध भी बनवाया था।

गैंगरेप के चलते प्रेग्नेंट हुई महिला की मौत, तीन सिपाहियों का खून भी नहीं बचा पाया जान

आजमगढ़. आजमगढ़ में गैंगरेप से गर्भवती (प्रेग्नेंट) हुई महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। महिला की जान बचाने के लिए तीन सिपाहियों ने अपना खून तक दिया (रक्तदान) था। महिला पांच महीने की गर्भवती थी। उसे जिला महिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वह मानसिक रूप से अस्वस्थ थी। महिला की मौत के बाद पुलिस ने गैंगरेप में शामिल होने के आरोपी संदिग्धों की तलाश तेज कर दी है।

मामला, आजमगढ़ के अहरौला के एक गांव का है। 40 वर्षीय पीड़िता मानसिक रूप से अस्वस्थ विधवा थी। आरोप है कि उसके साथ गांव के ही पांच लोगों ने छह महीने पहले सामूहिक दुष्कर्म किया था। हालत बिगड़ने पर मामले की जानकारी हुई थी। पीड़िता के भाई की तहरीर पर पुलिस ने हफ्ते भर बाद पांच नामजद और एक अज्ञात के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की थी।

गडकरी-सिंधिया समेत 20 सांसदों को नोटिस भेजेगी BJP

- **सदन में एक देश-एक चुनाव बिल की वोटिंग में मौजूद नहीं थे, पार्टी वजह पूछेगी**

नई दिल्ली. भारतीय जनता पार्टी (BJP) केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, ज्योतिरादित्य सिंधिया और गिरिराज सिंह समेत 20 सांसदों को नोटिस भेज सकती है। BJP अपने उन सांसदों को नोटिस भेजेगी जो मंगलवार को 'एक देश, एक चुनाव' (ONOE) बिल पेश होने के दौरान लोकसभा में मौजूद नहीं थे।

BJP ने 3 लाइन का व्हिप जारी कर पार्टी के सभी सांसदों को बिल पेश होने के दौरान लोकसभा में मौजूद रहने के निर्देश दिए थे। इसकी अवहेलना करने पर सांसदों को नोटिस भेजकर कारण पूछा जाएगा। हालांकि, अभी इस बात की पुष्टि नहीं हो पाई है कि इन सभी सांसदों ने पार्टी को अपनी अनुपस्थिति के बारे में पहले से सूचित किया था या नहीं।

ये सांसद गैरहाजिर थे

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, नितिन गडकरी, ज्योतिरादित्य सिंधिया और सीआर पाटिल, शांतनु ठाकुर, जगदंबिका पाल, बीवाई राघवेंद्र, विजय बघेल, उदयराजे भोंसले, जगन्नाथ सरकार, जयंत कुमार रॉय, वी सोमन्ना, चिंतामणि महाराज समेत कुल 20 सांसद सदन में मौजूद नहीं थे।

एक देश एक चुनाव बिल लोकसभा में पेश हुआ

लोकसभा में मंगलवार, यानी 17 दिसंबर को एक देश, एक चुनाव के लिए 129वां संविधान (संशोधन) बिल पेश किया गया। बिल के लिए पहले इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग कराई गई। कुछ सांसदों की आपत्ति के बाद वोट संशोधित करने के लिए फिर पर्ची से मतदान हुआ। बिल को पेश करने के पक्ष में 269 और विपक्ष में 198 मत पड़े। अमित शाह ने सदन में कहा कि बिल जब कैबिनेट में आया था, तब प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि इसे संयुक्त संसदीय समिति (JPC) को भेजना चाहिए। कानून मंत्री ऐसा प्रस्ताव कर सकते हैं।

कांग्रेस बोली- संविधान ग्रंथ तो अंबेडकर भगवान

मोदी बोले- नेहरू ने बाबा साहेब के खिलाफ प्रचार किया, कांग्रेस ने भारत रत्न नहीं दिया

नई दिल्ली. संसद में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर पर अमित शाह की टिप्पणी को लेकर कांग्रेस ने कहा कि गृहमंत्री ने अंबेडकर का अपमान किया। कांग्रेस सांसद कुमारी शैलजा ने कहा कि अगर संविधान ग्रंथ है तो अंबेडकर भगवान हैं। कांग्रेस ने शाह के इस्तीफे की मांग की है।

इन बयानों के बाद बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस को जवाब दिया। मोदी ने X पर 6 पोस्ट किए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस अब अंबेडकर पर नाटक कर रही है। पंडित नेहरू ने चुनाव में अंबेडकर के खिलाफ प्रचार किया था। उन्हें भारत रत्न देने से कांग्रेस ने इनकार किया। एससी-एसटी पर सबसे ज्यादा नरसंहार कांग्रेस के शासन काल में हुए हैं।

विवाद की वजह शाह का बयान

दरअसल, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को राज्यसभा में संविधान पर चर्चा के दौरान कहा था कि अभी एक फैशन हो गया है। अंबेडकर, अंबेडकर... इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता।

PM बोले- कांग्रेस ने अंबेडकर की विरासत मिटाने की गंदी चाल चली

मोदी ने कहा, ₹अगर कांग्रेस और उसके सड़े हुए इकोसिस्टम को लगता है कि वे झूठ बोलकर अपने कुकर्मों को छिपा सकते हैं तो वे गलतफहमी में हैं। भारत के लोगों ने बार-बार देखा है कि कैसे एक वंश के नेतृत्व वाली एक पार्टी ने डॉ. अंबेडकर की विरासत को मिटाने और एससी/एसटी समुदायों को अपमानित करने के लिए गंदी चाल चली।

शाह ने अंबेडकर का अपमान करने और एससी/एसटी समुदायों की अनदेखी करने के कांग्रेस के काले इतिहास को उजागर किया। यही कारण है कि कांग्रेस अब नाटक कर रही है, लेकिन लोग सच्चाई जानते हैं।

कांग्रेस चाहे जितनी कोशिश कर ले, लेकिन वह इस बात से इनकार नहीं कर सकती कि एससी/एसटी समुदायों के खिलाफ सबसे भयानक नरसंहार उसके शासन में हुए हैं।

सेना ने कहा- 1971 युद्ध की तस्वीर हटाई नहीं

- **उसे आर्मी चीफ लाउंज से मानेकशॉ सेंटर में शिफ्ट किया, ताकि ज्यादा लोग देख सकें**

नई दिल्ली. आर्मी चीफ के लाउंज में लगी पाकिस्तानी सेना के समर्पण की तस्वीर को लेकर सेना का बयान आया है। सेना ने अपने X हैंडल पर बताया कि 1971 युद्ध की तस्वीर हटाई नहीं गई है। इसे दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में जानबूझकर शिफ्ट किया गया है, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इसे देख सकें।

दरअसल, सेना प्रमुख के लाउंज में 1971 के पाकिस्तानी सेना के सरेंडर वाली पेंटिंग को बदलकर एक नई कलाकृति लगाई गई है। इसमें लद्दाख के पैंगोंग त्सो, महाभारत से प्रेरित विषय-वस्तु और आधुनिक युद्ध को दर्शाया गया है, जो संभवतः चीन के साथ उत्तरी सीमा पर भारत के बढ़ते रणनीतिक फोकस को दर्शाता है। बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के दौरान पाकिस्तानी सेना के आत्मसमर्पण वाली तस्वीर को हटाने का मामला संसद तक पहुंच गया था। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने सवाल उठाया था। दोनों ने सरकार पर भारत के सैन्य इतिहास और इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली सरकार की विरासत को कमतर आंकने का आरोप लगाया।

12 सेकंड की क्लिप से गुमराह नहीं कर सकते, हमारे लिए आंबेडकर पूजनीय

- **संसद में हंगामे के बीच बोले किरेन रिजिजू**

नई दिल्ली. राज्यसभा में बुधवार को जोरदार हंगामे के बीच केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर पर अपनी सरकार की प्रतिबद्धता का पुरजोर बचाव किया। उन्होंने विपक्ष पर डॉ. आंबेडकर के मुद्दे को तोड़-मरोड़कर पेश करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी सरकार डॉ. आंबेडकर के विचारों और योगदान को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है। जबकि कांग्रेस पार्टी ने हर बार डॉ. आंबेडकर का अपमान किया है।

रिजिजू ने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि डॉ. आंबेडकर एक बार फिर से संसद में चुनकर आना चाहते थे, लेकिन कांग्रेस पार्टी ने उन्हें षड्यंत्र के तहत हराया। इसके बाद आंबेडकर ने दोबारा चुनाव नहीं लड़ा। रिजिजू ने कांग्रेस पर यह भी आरोप लगाया कि 1956 में डॉ. आंबेडकर के महापरिनिर्वाण के बाद भी कांग्रेस ने उन्हें लंबे समय तक भारत रत्न देने लायक नहीं समझा। उन्होंने कहा, ₹डॉ. आंबेडकर को 1990 में भारत रत्न मिला, लेकिन यह सम्मान उन्हें पहले ही मिल जाना चाहिए था।

अमित शाह पर लगाए आरोपों का जवाब

विपक्ष ने आरोप लगाया था कि मंगलवार को हुई चर्चा के दौरान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने डॉ. आंबेडकर का अपमान किया। इसका जवाब देते हुए किरेन रिजिजू ने कहा कि गृहमंत्री ने अपने बयान में केवल यह बताया था कि कांग्रेस पार्टी ने किस तरह से डॉ. आंबेडकर को अपमानित किया। रिजिजू ने कहा, "12 सेकेंड का वीडियो निकालकर देश को गुमराह करने की कोशिश की जा रही है। मैं इसकी कड़ी निंदा करता हूं। गृहमंत्री ने साफ-साफ शब्दों में कहा कि कांग्रेस ने बाबा साहब आंबेडकर को बंबई और विदर्भ में षड्यंत्र के तहत हराने का काम किया।

पंजाब में किसानों ने रेलवे ट्रैक खाली किए

चंडीगढ़ में SKM की इमरजेंसी मीटिंग जारी डल्लेवाल को समर्थन पर फैसला लेंगे

नई दिल्ली. शंभू बॉर्डर और खनौरी बॉर्डर पर चल रहे किसान आंदोलन के समर्थन में आज किसानों ने पंजाब में 3 घंटे रेलवे ट्रैक जाम किए। किसान दोपहर 12 बजे 48 जगहों पर ट्रैक पर बैठ गए। 3 बजते ही किसानों ने ट्रैक खाली कर दिए। रेलवे ट्रैक जाम होने से दिल्ली-पठानकोट सुपरफास्ट एक्सप्रेस को लुधियाना के ढंडारी कलां में रोकना पड़ा। कुछ ट्रेनों को कैंसिल तो कुछ को डायवर्ट भी करना पड़ा। किसानों के प्रदर्शन से करीब 60 ट्रेनों की आवाजाही पर असर पड़ा।

खनौरी बॉर्डर पर चल रहे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के आमरण अनशन को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा (SKM) की चंडीगढ़ स्थित किसान भवन में इमरजेंसी मीटिंग शुरू हो गई है। इसके बाद डल्लेवाल के संघर्ष को समर्थन देने का ऐलान हो सकता है। इसके बाद शाम 7 बजे गवर्नर से मिलने का प्रोग्राम है। पहले यह मीटिंग 24 दिसंबर को रखी गई थी, लेकिन किसान नेता जगजीत डल्लेवाल की बिगड़ती सेहत को देखते हुए मीटिंग का समय बदला गया है।

कुवैत के ऐतिहासिक दौरे पर जा रहे हैं मोदी

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21-22 दिसंबर को कुवैत का दौरा करेंगे। पीएम मोदी कुवैत के अमीर शेख मशाल अल-अहमद अल-जाबेर अल-सबा के निमंत्रण पर इस मुस्लिम देश की यात्रा पर जा रहे हैं। यह 43 वर्षों में किसी प्रधानमंत्री की कुवैत की पहली यात्रा होगी। इस ऐतिहासिक दौरे के दौरान प्रधानमंत्री मोदी कुवैत के नेतृत्व से विभिन्न द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

सैटेलाइट इंटरनेट का इस्तेमाल कर रहे उग्रवादी?

- **स्टारलिंक डिवाइस जब्त**
- **एलन मस्क दे रहे सफाई**

इंफाल. मणिपुर के इंफाल ईस्ट जिले में हाल ही में सुरक्षा बलों ने दो स्टारलिंक उपकरण जब्त किए हैं। इस घटना के बाद से पूर्वोत्तर राज्य में सैटेलाइट इंटरनेट के इस्तोमाल को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। हालांकि इन अटकलों के बीच, स्पेसएक्स के संस्थापक एलन मस्क ने स्पष्ट किया है कि भारत में स्टारलिंक सैटेलाइट बीम सक्रिय नहीं हैं। 'स्पेसएक्स' के संस्थापक एलन मस्क ने कहा कि भारत के ऊपर 'स्टारलिंक' के 'सैटेलाइट बीम' बंद कर दिए गए हैं।

भारतीय सेना के स्पियर कोर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जब्त की गई चीजों की तस्वीरें साझा की थीं जिसके बाद एक यूजर ने इस पर ध्यान दिया कि उनमें से एक उपकरण पर 'स्टारलिंक का लोगो' था। इस ओर ध्यान आकर्षित करते हुए एक यूजर ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''स्टारलिंक का इस्तेमाल आतंकवादियों द्वारा किया जा रहा है। आशा है कि एलन मस्क इस पर ध्यान देंगे और इस तकनीक के दुरुपयोग पर अंकुश लगाने में मदद करेंगे।'' मस्क ने जवाब दिया, ''यह गलत है। भारत के ऊपर स्टारलिंक के सैटेलाइट बीम बंद कर दिए गए हैं।'' मस्क ने कहा कि वे असल में कभी ऑन ही नहीं थे।

राज्य पुलिस के अनुसार, केराओ खुनौ से जब्त की गई सामग्री में ''एक इंटरनेट सैटेलाइट एंटीना, एक इंटरनेट सैटेलाइट राउटर और 20 मीटर (लगभग) एफटीपी तार'' शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि स्टारलिंक जैसे उपकरण की बरामदगी के बाद एजेंसियों ने इस बात की जांच शुरू कर दी कि यह उपकरण हिंसाग्रस्त राज्य में कैसे पहुंचा। सैटेलाइट इंटरनेट सेवाएं प्रदान करने वाली मस्क की कंपनी स्टारलिंक के पास भारत में काम करने का लाइसेंस नहीं है।

आर. अश्विन ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया

- **287 मैच में 765 विकेट लिए**
- **भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले दूसरे बॉलर**

रोहित शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा...

जब मैं पर्थ आया तो अश्विन ने मुझे रिटायरमेंट की बात बताई थी। मैंने उन्हें पिंक बॉल टेस्ट तक टीम में बने रहने के लिए मनाया था। अगर कोई खिलाड़ी फैसला लेता है तो उसका सम्मान किया जाना चाहिए। वे कल भारत लौट जाएंगे।

भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। उन्होंने तीनों फॉर्मेट मिलाकर 287 मैच खेले और 765 विकेट लिए। अश्विन भारत के दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उनसे आगे सिर्फ अनिल कुंबले हैं, जिन्होंने 953 विकेट लिए हैं।

38 साल के अश्विन ने गाबा टेस्ट खत्म होते ही रिटायरमेंट का ऐलान किया। वे कप्तान रोहित शर्मा के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में पहुंचे। उन्होंने कहा, आज भारतीय टीम के क्रिकेटर के तौर पर मेरा अंतिम दिन था। मैं क्लब क्रिकेट खेलता रहूंगा।

टेस्ट में 537 विकेट लिए

अश्विन ने 2010 में श्रीलंका के खिलाफ वनडे मैच से इंटरनेशनल डेब्यू किया था। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 106 मैचों में 537 विकेट हासिल किए। उनके नाम 37 फाइव विकेट हॉल हैं और 8 बार उन्होंने मैच में 10 विकेट लिए। अश्विन ने 156 वनडे विकेट भी हासिल किए। टी-20 में अश्विन ने 72 विकेट चटकाए।

अश्विन ने बतौर बल्लेबाज टेस्ट क्रिकेट में 3503 रन बनाए और उन्होंने कुल 6 टेस्ट शतक लगाए। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनके नाम कुल 8 शतक रहे।

संभल और काशी के बाद अलीगढ़ के मुस्लिम इलाके में मिला मंदिर

- **अफसरों ने कराई साफ-सफाई**

अलीगढ़. संभल और काशी के बाद अब अलीगढ़ के मुस्लिम बहुल इलाके में 25 साल पुराना मंदिर मिला है। इस बात की भनक होते ही हिंदूवादियों ने मंदिर का ताला तोड़कर साफ-सफाई की। दूसरी ओर विश्व हिंदू परिषद के नेताओं ने यहां हनुमान चालीसा का पाठ पढ़ने का ऐलान किया है। जानकारी के मुताबिक पहले यहां हिंदू परिवार रहते थे जो बाद में मकान बेचकर चले गए।

जिले के बन्ना देवी थाना क्षेत्र के सराय रहमान मुस्लिम बस्ती से 25 साल पुराना मंदिर निकला है। इस बात की जानकारी लगते ही यहां हिंदूवादियों की भीड़ इकट्ठा होने लगी है। साथ ही कुछ लोग पूजा पाठ के लिए साफ-सफाई करने में जुट गए। स्थानीय नागरिकों ने मंदिर को लेकर बताया कि सारय रहमान की कंजन वाली गली में हिंदू परिवार रहते थे। वह यहां से मकान बेचकर चले गए साथ ही मंदिर की मूर्तियां भी ले गए थे। तब से यहां अब कोई पूजा अर्चना नहीं होती है। वहीं बाद में नगर निगम ने यहां मिट्टी डाल दी। जिसके कारण यह मंदिर पूरी तरह बंद हो गया।

राज्यसभा में जय भीम और माफी मांगो के नारे

नई दिल्ली. संसद के शीतकालीन सत्र का बुधवार को 18वां दिन था। लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों में अंबेडकर के अपमान को लेकर हंगामा हुआ। विपक्षी सांसदों ने सदन में जय भीम और माफी मांगो के नारे लगाए। कांग्रेस और अन्य विपक्ष के सांसदों का आरोप है कि, गृह मंत्री अमित शाह ने बाबा साहेब का अपमान किया है। एक दिन पहले मंगलवार का राज्यसभा में गृह मंत्री अमित शाह संविधान पर चर्चा की थी। इस दौरान उन्होंने कहा था कि, अगर वे (कांग्रेस) जितनी बार अंबेडकर का नाम लेते हैं, उतनी बार भगवान का नाम लेते तो उन्हें स्वर्ग में जगह मिलती। इस पर राज्यसभा में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि, विपक्ष के नेता अमित शाह के बयान की सिर्फ 10-12 सेकेंड की वीडियो क्लिप दिखाकर देश को गुमराह कर रहे और विवाद खड़ा कर रहे। इस पर राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि मैंने भी वीडियो दो बार देखा, उसमें कुछ भी गलत नहीं था। बाबा साहेब के आदर्शों से इतर उसमें कोई अन्य बात नहीं थी। इसके बाद दोनों सदन पूरे दिन के लिए स्थगित कर दिए गए।

उल्हासनगर महानगरपालिका, उल्हासनगर
प्रभाग समिती क्र. 4

जा.क्र. उमपा/सहा.आ/प्र.स4/343/2024
सहायक आयुक्त, प्र.स 4 कार्यालय.
उल्हासनगर महानगरपालिका,
उल्हासनगर-421005.
दिनांक : 18/12/2024

नोटीस

(महाराष्ट्र नागरी क्षेत्र झाडांचे संरक्षण व जतन अधिनियम 1975 चे कलम 8 (3) अन्वये)

उल्हासनगर महानगरपालिका क्षेत्रात प्रभाग समिती क्र.4 चे हद्दीत खाली नमुद केलेल्या ठिकाणी वृक्ष तोडणेसाठी प्रस्ताव प्राप्त झालेला आहे. सदर ठिकाणी असणारी झाडे तोडण्यास मंजुरी मिळणेकामी प्रस्ताव वृक्ष अधिकारी तथा सहायक आयुक्त, प्रभाग समिती क्र. 4 यांनी वृक्ष प्राधिकरणाच्या सभेपुढे ठेवण्याचे योजिले आहे.

अ.क्र.	अर्जदाराचे नांव	ठिकाण	झाडाचा तपशिल
1		ब्लॉक नं. ओ-941/1879, मातृछाया एजन्सी समोर, स्मशानभूमीच्या गेट जवळ, उल्हासनगर-421005	मुख्य रस्त्याच्या मध्ये असणारे जंगली झाड
2	श्री. यशवंत पाटील	ब्लॉक नं. 943, रुम नं. 1886, कुर्ला कॅम्प रोड, कैलास कॉलनी, उल्हासनगर-421005	सुकलेले आंबा व जंगली झाड
3	मुख्याध्यापक	महाराणा प्रताप सिंह हिन्दी विद्यालय, शाळा क्र.28, दसेरा मैदान, उल्हासनगर-421005	जंगली झाड

उक्त नमुद केलेल्या ठिकाणी असलेले वृक्ष तोडण्यासाठी कोणत्याही इसमाची हरकत आल्यास त्यांनी आपली हरकत लेखी स्वरुपात दिनांक 24/12/2024 पूर्वी सहायक आयुक्त तथा वृक्ष अधिकारी प्रभाग समिती क्र.4, अग्निशमन इमारत, उल्हासनगर-421005 या कार्यालयात सादर करावी. मुदतीत लेखी हरकत प्राप्त झाल्यास संबधितास सुनावणी देऊन अंतीम निर्णय घोतला जाईल, विहित मुदतीत हरकत प्राप्त न झाल्यास प्रस्तुत प्रकरणी गुणवत्तेवर निर्णय घेण्यात येईल, याची नोंद घ्यावी.

सही/-
(गणेश शिंपी)
वृक्ष अधिकारी तथा सहायक आयुक्त
प्रभाग समिती क्र.4
उल्हासनगर महानगरपालिका

जा.क्र. उपमा /पीआरओ/466/2024.
दिनांक 18/12/2024

संक्षेप...

2 बांगलादेशी नागरिक गिरफ्तार

भिवंडी. भिवंडी पुलिस उपायुक्त डा.मोहन दहीकर के आदेश पर पुलिस ने शहर में अवैध रूप से रहने वाले तमाम बांग्लादेशी नागरिकों को खोज मुहिम जोरों से शुरू की है.शहर पुलिस ने खोका कंपाऊंड स्थित झोपडपट्टी में कुछ माह भाड़े की खोली में रहने वाले 2 बांग्लादेशी नागरिको को समुचित पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया है. खोका कंपाउंड पावरलूम क्षेत्र में मुखबिर की सूचना पर बांग्लादेशी प्लंबर का काम करने वाले रमजान मो.अब्दुल रजाक शेख(32) व कबीर फियार अहमद शेख(40) दोनों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. शहर पुलिस ने समुचित जांच के बाद बांग्लादेशी नागरिकों को बगैर पुलिस को सूचित किए भाड़े की खोली देने वाले पर भी आपराधिक मामला दाखिल किया है.

'जहां नहीं चैना, वहां नहीं रहना...'

- महाराष्ट्र में छगन भुजबल की खुली बगावत
- अजित पवार के खिलाफ निकाली भड़ास

मुंबई. महाराष्ट्र में महायुति सरकार के गठन के बाद अब नाराजगियों का दौर जारी है. कई नेताओं का दर्द छलक रहा है. लेकिन एनसीपी (अजित गुट) के वरिष्ठ नेता छगन भुजबल ने अब अपनी नाराजगी खुलेआम जाहिर कर दी है. मंगलवार को उन्होंने कहा कि 'जहां नहीं चैना, वहां नहीं रहना.' उनके इस बयान के कई मायने निकाले जा रहे हैं. वहीं, मंगलवार को पुणे में छगन के समर्थकों ने अजित पवार के खिलाफ प्रदर्शन भी किया. उनका कहना था कि यह अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का अपमान है. प्रदर्शन बारामती में उपमुख्यमंत्री और एनसीपी प्रमुख अजित पवार के बंगले के बाहर भी हुआ.

जानें क्यों नाराज हैं छगन भुजबल

छगन भुजबल ने दावा किया कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस उन्हें कैबिनेट में शामिल करना चाहते थे, लेकिन फैसला अजित पवार ने किया. 77 वर्षीय विधायक भुजबल पहले महायुति सरकार में मंत्री थे . लेकिन इस बार उन्हें जगह नहीं दी गई है.

बोले- मैं आहत हूं

भुजबल ने कहा कि एनसीपी में फैसले अजित पवार लेते हैं, जैसे बीजेपी में देवेंद्र फडणवीस और

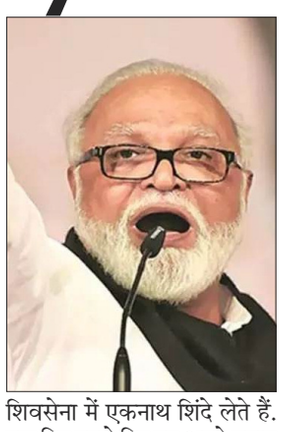

शिवसेना में एकनाथ शिंदे लेते हैं. एक दिन पहले दिए गए अपने बयान 'जहां नहीं चैन, वहां नहीं रहना' पर सफाई देते हुए भुजबल ने कहा कि वह बुधवार को एनसीपी कार्यकर्ताओं और अपनी येवला सीट के लोगों से चर्चा के बाद कुछ कहेंगे. भुजबल ने कहा, 'मुझे मंत्री न बनाए जाने का कोई दुख नहीं, लेकिन जो व्यवहार मेरे साथ हुआ, उससे मैं आहत हूं.'

'मैं कोई खिलौना नहीं'

नासिक में मीडिया से बात करते हुए भुजबल ने कहा कि उन्हें मई में लोकसभा चुनाव लड़ने को कहा गया था, लेकिन नाम फाइनल नहीं हुआ. फिर राज्यसभा सीट की पेशकश की गई, जिसे उन्होंने ठुकरा दिया. उन्होंने कहा, 'मैंने नासिक से लोकसभा चुनाव लड़ने का सुझाव स्वीकार किया. जब मैं राज्यसभा जाना चाहता था, तो मुझे विधानसभा चुनाव लड़ने को कहा गया. अब मुझे राज्यसभा सीट ऑफर की जा रही है. क्या मैं कोई खिलौना हूं? आप जब कहें खड़ा हो जाऊं और जब कहें बैठ जाऊं? मेरे क्षेत्र के लोग क्या सोचेंगे अगर मैं इस्तीफा दे दूं?'

भुजबल ने कहा, 'मुझे लोकसभा चुनाव के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के कहने पर तैयार किया गया. मैंने एक महीने तक तैयारी की, लेकिन अंतिम समय में मेरा नाम हटा दिया गया. फिर मुझे बताया गया कि मुझे महाराष्ट्र में रहना चाहिए.' उन्होंने आगे कहा, 'मेरे साथ जो हुआ, वह अपमानजनक है. यह मंत्री पद का सवाल नहीं है, बल्कि मेरे साथ हुए बर्ताव का सवाल है.' भविष्य के सवाल पर उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं से बात करके वो कोई फैसला लेंगे.

बता दें कि रविवार को फडणवीस ने नागपुर में अपनी कैबिनेट का विस्तार किया, जिसमें 39 नए सदस्य शामिल हुए. इसमें 19 बीजेपी, 11 शिंदे गुट और 9 अजित पवार गुट से थे. भुजबल उन 10 मंत्रियों में थे जिन्हें नई सूची से हटा दिया गया.

गेटवे ऑफ इंडिया से एलिफेंटा जा रही बोट डूबी

13 की मौत, 99 बचाए गए

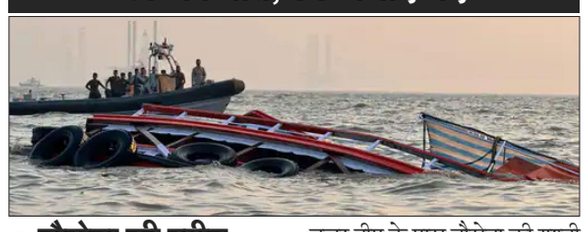

- नौसेना की स्पीड बोट ने टक्कर मारी

मुंबई. महाराष्ट्र के मुंबई में गेटवे ऑफ इंडिया से एलिफेंटा जा रही नीलकमल बोट बीच समुद्र में डूब गई। 80 लोगों की क्षमता वाली बोट में 100 से ज्यादा यात्री सवार थे, जिसमें से 13 लोगों की मौत हो गई है। 99 लोगों का रेस्क्यू किया जा चुका है। हादसा उरण के पास बुधवार शाम करीब 3:55 बजे हुआ। मुंबई से एलिफेंटा गुफाओं की ओर जाते समय अरब सागर में बुचर द्वीप के पास नौसेना की गश्ती स्पीड बोट ने नाव को टक्कर मार दी। इससे नाव में पानी भर गया और वह डूब गई। मुख्यमंत्री फडणवीस ने 8:25 बजे विधानसभा में जानकारी दी कि मरने वाले 13 लोगों में से 10 आम लोग हैं जबकि 3 नेवी के कर्मचारी हैं। रेस्क्यू किए गए लोगों को छह अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

दो लोगों की हालत गंभीर है। राज्य सरकार सभी मृतकों के परिजन को 5 लाख रुपए की सहायता राशि देगी।

मुख्यमंत्री के हाथों गृह विभाग ने नई वेबसाइट का अनावरण

नागपुर. महाराष्ट्र सरकार के गृह विभाग की नई वेबसाइट का बुधवार को यहां मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने अनावरण किया। www.home.maharashtra.gov.in नामक एक अद्यतन वेबसाइट अब इंटरनेट पर उपलब्ध है।

मुख्यमंत्री के रामगिरि स्थित सरकारी आवास पर हुई गृह विभाग की बैठक में वेबसाइट का अनावरण किया गया। मुख्य सचिव सुजाता सौनिक, गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. आई. एस. चहल, पुलिस महानिदेशक रश्मि शुक्ला, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव विकास खड़गे, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. परदेशी सहित कई अन्य विभागों के अपर सचिव, गृह विभाग के प्रधान सचिव, पुलिस बल के वरिष्ठ अधिकारी आदि उपस्थित थे.

यह नई वेबसाइट यूजर फ्रेंडली है। इस वेबसाइट पर विभिन्न त्वरित लिंक उपलब्ध कराए गए हैं। उनमें महाराष्ट्र कारागार विभाग, महाराष्ट्र राज्य उत्पाद शुल्क, महाराष्ट्र राज्य उत्पाद शुल्क (ऑनलाइन सेवा), आपकी सरकार, महाराष्ट्र राज्य पुलिस, बृहन्मुंबई पुलिस, महाराष्ट्र मैरीटाइम बोर्ड, महाराष्ट्र सरकार, मोटर वाहन विभाग, भ्रष्टाचार निरोधक विभाग, सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस शामिल हैं। अकादमी, केंद्रीय जांच ब्यूरो, पुलिस अनुसंधान केंद्र, (सीपीआर) पुणे, आपराधिक जांच विभाग पुणे, महाराष्ट्र सुरक्षा बल, मुंबई यातायात पुलिस, एनजेडीजी | राष्ट्रीय न्यायिक डेटा ग्रिड, भारतीय पुलिस की राष्ट्रीय सेवा, राष्ट्रीय जेल सूचना पोर्टल, ई-अभियोजन आदि के त्वरित लिंक प्रदान किए गए हैं।

एसटी के बेडे में शामिल होंगी 1300 नई बसें

- CM देवेंद्र फडणवीस ने किया बड़ा ऐलान
- महाराष्ट्र के लोगों के लिए खुशखबरी!

नागपुर. महाराष्ट्र में नए साल पर राज्य की देवेंद्र फडणवीस सरकार पहला बड़ा तोहफा देने जा रही है. सरकार एसटी बसों के बेड़े में 1300 नई अत्याधुनिक बसें शामिल करेगी. दरअसल, महाराष्ट्र की नई सरकार के अस्तित्व में आने के साथ ही देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र के लिए एक ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी का लक्ष्य रखा है.

हाल ही में वर्ल्ड हिंदू इकोनॉमिक फोरम के मंच से सीएम फडणवीस ने इसके लिए महाराष्ट्र के सीपोर्ट, ट्रांसपोर्टेशन, सड़क

यातायात, आवागमन को मजबूत बनाने की बात कही है. महाराष्ट्र के गावों को तालुका, तालुका को शहरों से जोड़ने में राज्य की स्टेट ट्रांसपोर्ट बसों का बड़ा योगदान होता है. इसी कड़ी में एमएसआरटीसी की ओर से महाराष्ट्र की जनता को नए साल का तोहफा मिलने जा रहा है. नए साल पर एमएसआरटीसी के बेड़े में 1300 से आधुनिक बसें शामिल होंगी.

नई आधुनिक बसों की जरूरत क्यों?

दरअसल, राज्य की स्टेट ट्रांसपोर्ट बसों की पहचान लाल परी के रूप में है जो गांव से गांव को जोड़ती है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में बसों की किल्लत के कारण रोजाना यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या में 11 लाख तक की गिरावट देखी गई. कोविड काल से पहले एमएसआरटीसी के बेड़े में तकरीबन 18500 बसें थी जिसमें से 15500 बसें सेवा में थी और रोजाना 65 लाख यात्री एसटी बसों में यात्रा करते थे लेकिन कोविड के बाद एमएसआरटीसी में बसों के खराब और नई बसों की किल्लत से तकरीबन 1000 बसें कम हुई और अब मात्र तकरीबन 14500 बसें सेवा में हैं.

यात्रियों की संख्या घटी

बसों की संख्या कम होने के चलते यात्रियों की संख्या 65 लाख से घटकर 54 लाख रोजाना तक घट गई. राज्य में स्टेट ट्रांसपोर्ट की डिमांड होने के बावजूद बसों की किल्लत की वजह से एमएसआरटीसी को पिछले कई वर्षों तक घाटा सहना पड़ा. एसटी का कुल घाटा 11 हजार करोड़ तक पहुंच गया है.

भिवंडी में अनधिकृत निर्माण पर तोडू कार्रवाई

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. भिवंडी निज़ामपुर शहर मनपा आयुक्त एवं प्रशासक अजय वैद्य, अपर आयुक्त विठ्ठल डाके और अधिकारी रोहिदास दोरकुलकर के निर्देशानुसार मौजे नवीन कनेरी क्रमांक. 30/ए मौजूदा भवन संख्या 604/2 शास्त्री नगर परिसर में चौथी मंजिल पर 5वीं मंजिल के स्लैब का निर्माण करने वाले मोहम्मद शफीक अहमद खान के खिलाफ अनाधिकृत निर्माण के संबंध में कानूनी प्रक्रिया पूरी कर उक्त अनाधिकृत निर्माण के खिलाफ तोडू कार्रवाई की गई. शहर पुलिस स्टेशन से पुलिस सुरक्षा लेकर प्रभाग समिति नं. 3 के सहायक आयुक्त सुरेंद्र भोईर, बीट इंस्पेक्टर सूरज गायकवाड़ के मार्गदर्शन में नारायण पाटिल, इंद्रपाल जाधव, जयेश जाधव, गणेश पवार ने अतिक्रमण विभाग के कर्मचारी की मदद से पुलिस बंदोबस्त के अंतर्गत मकान नं. 604/2 शास्त्री नगर की 5वीं मंजिल के स्लैब निर्माण को तोड़ने के कार्य को अंजाम दिया गया है.अवैध निर्माण को लेकर मनपा आयुक्त अजय वैद्य के कड़क रुख से अवैध निर्माण में लिप्त बिल्डरों में भारी खलबली मची है.आयुक्त वैद्य ने अधिकारियों को अवैध निर्माण तोड़ने अन्यथा सस्पेंशन को तैयार होने की चेतावनी दी है.

कलश यात्रा के साथ श्रीमद् भागवत कथा शुरू

- हजारों भक्त हुए शामिल

भिवंडी. कनेरी इलाके में उत्तरभारतीय सेवा समिति द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ के पूर्व भव्य कलश यात्रा निकाली गई,जिसमें हजारों की संख्या में महिला, पुरुष शामिल हुए.

उक्त संदर्भ ने उत्तर भारतीय सेवा समिति अध्यक्ष जितेंद्र तिवारी ने बताया कि भिवंडी कनेरी आगरा रोड पर टोरेंट पावर के बगल में भव्य पंडाल में श्रीमद्भागवत कथा काशी के मशहूर कथा वाचक श्याम मुरारी महराज के मुखारबिंद से किया जा रहा है. कथा 22

नवंबर 2024 रविवार तक प्रतिदिन शाम 6 बजे से रात्रि 10 बजे चलेगा. 23 नवंबर को दोपहर में 12 बजे से शाम 4 बजे तक भव्य भंडारे का आयोजन किया गया है. कलश यात्रा में 111 महिलाएं सिर पर कलश लेकर शामिल हुई. 800 महिला-पुरुष डीजे साउंड के भक्ति गीतों पर थिरकते व जयकारा कर शामिल हुए.

कथा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए उत्तर भारतीय सेवा समिति अध्यक्ष जितेंद्र तिवारी, कार्याध्यक्ष शिवचंद केशरवानी, विजय मिश्रा, राकेश केशरवानी, श्याम केसरवानी,राजू केसरवानी, अजीत सिंह ठाकुर आदि पदाधिकारी कड़ी मेहनत कर रहे हैं.

अर्नाला पुलिस थाने के उपनिरीक्षक ने घर में फांसी लगाकर की आत्महत्या

विरार. विरार अर्नाला पुलिस थाने में कार्यरत एक पुलिस उपनिरीक्षक ने मंगलवार दोपहर अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह चौंकाने वाली घटना सामने आने के बाद बोलींज पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए विरार के ग्रामीण अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने इस मामले में अकस्मात मृत्यु का मामला दर्ज कर लिया है।

मृतक पुलिस उपनिरीक्षक की पहचान रतीकांत भद्रेशेट्टे (35) के रूप में हुई है, जो विरार के बोलींज इलाके में स्थित साई ब्रह्मा अपार्टमेंट में रहते थे। उन्होंने घर के छत पर लगे हुक से बेडशीट के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या की। इस दुखद घटना के समय उनकी पत्नी और डेढ़ साल की बेटी घर पर नहीं थीं, क्योंकि वे एक कार्यक्रम में गई हुई थीं। जब वे घर लौटीं, तब यह घटना सामने आई। मृतक पुलिस उपनिरीक्षक के परिवार में उनकी पत्नी और एक छोटी बेटी हैं। बताया गया कि अगस्त में उनके भाई की पुणे में करंट लगने से मौत हो गई थी, जिसके बाद से वे मानसिक तनाव में थे। पुलिस उपायुक्त जयंत बजबळे ने बताया कि करीब 5-6 महीने पहले उन्होंने परिवार को फोन करके आत्महत्या करने की बात कही थी।

क्रेन का तार टूटकर गिरने से मजदूर की मौत

भिवंडी. भिवंडी में एक रिटेनिंग वॉल उठाते समय क्रेन का तार टूटकर गिरने से 22 वर्षीय एक मजदूर की मौत हो गई। मृतक की पहचान जयराज वाकुभाई कमालिया के रूप में हुई है, जो भिवंडी के खारबाव गांव में अपने परिवार के साथ रहता था। वह कार्यस्थल पर सुपरवाइजर के रूप में काम करता था। वंडी में रिटेनिंग वॉल को क्रेन की मदद से उठाया जा रहा था, तभी अचानक तार टूट गया और रिटेनिंग वॉल एक मजदूर पर गिर गई। यह घटना भिवंडी के रहनाल गांव में हुई, जहां ट्रैक विस्तार का काम चल रहा है।

बैंकॉक से तस्करी के आरोप में महिला गिरफ्तार

मुंबई। एयरपोर्ट कस्टम्स की एयर इंटेलिजेंस यूनिट ने बैंकॉक से 5.56 करोड़ रुपये की कीमत की हाइड्रोपोनिक वीड की तस्करी करने के आरोप में 37 वर्षीय एक महिला को गिरफ्तार किया है। कस्टम्स सूत्रों के अनुसार, मंगलवार की सुबह एयर इंटेलिजेंस यूनिट अधिकारियों ने बैंकॉक से आने के बाद तमिलनाडु के तिरुवल्लुवर की रहने वाली सबीना यासीन नामक एक यात्री को इस खुफिया सूचना के आधार पर रोका था कि वह मादक पदार्थ ले जा रही है।

भिवंडी महानगरपालिका का 23वां वर्धापन दिन उत्साह से संपन्न

- प्रशासक अजय वैद्य ने कार्यकाल की गिनाई उपलब्धियां

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. 16 दिसंबर 2001 को भिवंडी मनपा की स्थापना हुई थी. 23 वर्ष पूर्ण होने पर 23 वा वर्धापन दिन आयुक्त अजय वैद्य की अध्यक्षता एवं जिला माहिती अधिकारी मनोज सानप की प्रमुख मौजूदगी में उत्साह से संपन्न हुआ. मनपा सेवा में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी,कर्मचारी को पुष्पगुच्छ,प्रशस्तिपत्र देकर सम्मान किया गया.उक्त अवसर पर उपायुक्त रोहिदास दोरुलकर, उपायुक्त शिक्षण अनुराधा बाबर, उपायुक्त शैलेश दोंदे, सहायक संचालक नगर रचना अजय साबले, मुख्य लेखा परीक्षक मयूर

हिंगाणे, शहर अभियंता जमील पटेल, अतिरिक्त शहर अभियंता सचिन नाईक,मुख्य वैद्यकीय अधिकारी डॉ.संदीप गाडेकर, कार्यकारी जलापूर्ति अभियंता संदीप पटनावर, मुख्य लेखा वित्त अधिकारी रामप्रसाद सालुंके,समाज कल्याण सहायक आयुक्त प्रणाली घोंघे, विधी अधिकारी अनिल प्रधान, सहायक आयुक्त सामान्य प्रशासन अजित महाडिक, मिलिंद पल्सुले, फैसल तातली, मुख्य उद्यान अधीक्षक निलेश संखे, आरोग्य अधिकारी जयवंत सोनवणे आदि भारी संख्या में अधिकारी,कर्मचारी उपस्थित थे.

गौरतलब हो कि,भिवंडी मनपा स्थापना दिवस के अवसर पर आयुक्त अजय वैद्य द्वारा मनपा सेवा में उत्कृष्ट कार्य अंजाम देने वाले कर्तव्यनिष्ठ करीब 50 अधिकारी, कर्मचारी को गौरव पत्र देकर सम्मानित किया. जिला माहिती अधिकारी मनोज सुमन शिवाजी सानप ने विशेष मार्गदर्शन करते हुए ₹शहीद कॅप्टन विनायक गोरे₹ के नाटक का अभिनय प्रयोग द्वारा उपस्थित अधिकारी, कर्मचारी को देशसेवा, समाजसेवा एवं दैनिक प्रशासकीय काम उत्कृष्ट करने के अहम मुद्दों पर प्रोत्साहनात्मक, प्रबोधनात्मक जागरूकता प्रदान की गई. भिवंडी मनपा स्थापना दिवस कार्यक्रम को बेमिसाल बनाने की खातिर मनपा मुख्यालय मुख्य गेट को भव्य तरीके से रंग बिरंगे फूलों से और मनपा मुख्यालय की बिल्डिंग को दूधिया,रंगबिरंगे झालरों से सजाया गया था.

आयुक्त की कार्यप्रणाली पर उठ रही उंगलियां

भिवंडी मनपा के स्थापना दिवस कार्यक्रम में किसी भी जनप्रतिनिधि, पूर्व महापौर सहित गणमान्य नागरिकों को आमंत्रित नहीं करने से मनपा प्रशासन की कार्यप्रणाली पर उंगलियां उठ रही हैं. कई जागरूक प्रबुद्ध लोगों ने मनपा आयुक्त अजय वैद्य की कार्यप्रणाली पर गंभीर तंज कसते हुए कहा कि, आयुक्त वैद्य ने प्रशासक कार्यकाल में जितने भ्रष्ट, नकारा अधिकारियों का कई बार ट्रांसफर, सस्पेंड किया उन्हीं द्वारा अंजाम दिए गए कार्यों को गिनाया और सम्मानित कर अपनी पीठ थपथपाई. शहरवासी सब जानते समझते हैं. अधिसंख्यक लोगों का आरोप है कि, टैक्स भुगतान के बाद भी भिवंडीकरों को कोई जरूरी सुविधा नहीं मिल रही है. नागरिक मूलभूत सुविधा से भी वंचित हैं. भिवंडी शहर की बदहाली देखकर लोग शहर छोड़कर अन्यत्र जाने लगे हैं. आलम यह है कि,शहर की बदहाली पर तमाम जनप्रतिनिधि भी आंखे मूंदे,चुप्पी साधे हुए हैं.

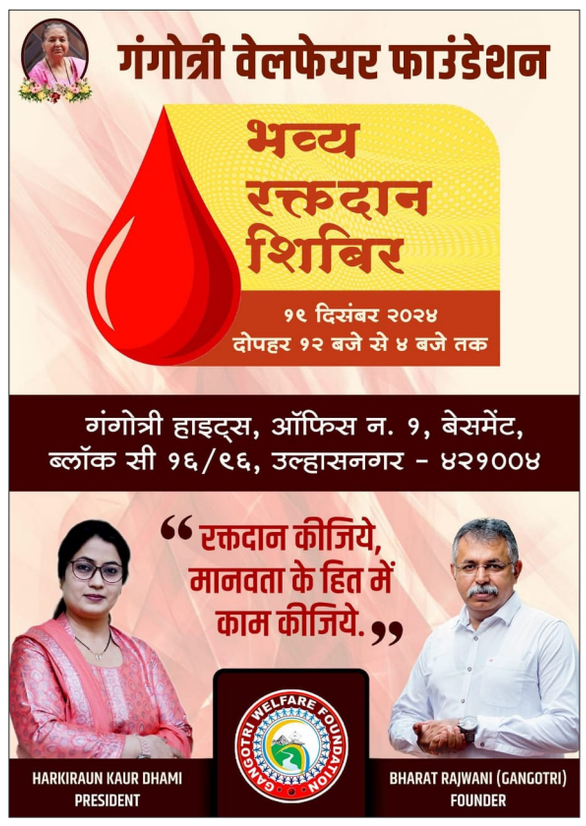

कटरीना कैफ अपनी सास के साथ पहुंचीं शिर्डी

कटरीना कैफ सोमवार को अपनी सास वीना कौशल के साथ शिर्डी स्थित साईं बाबा के दर्शन करने पहुंचीं। इस दौरान उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं, जिसमें कटरीना हाथ जोड़कर भक्ति में लीन नजर आ रही हैं। फैंस भी एक्ट्रेस के सादगी भरे अंदाज को देखकर उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं।

कटरीना कैफ ने इस दौरान सफेद रंग का सूट पहना हुआ था। सोशल मीडिया पर जो तस्वीरें सामने आई हैं, उनमें कटरीना को हाथ जोड़कर प्रार्थना करते हुए देखा जा सकता है। उन्होंने साईं बाबा की तस्वीर के सामने भी सिर झुकाया। इस मौके पर एक्ट्रेस के साथ उनकी सास वीना कौशल भी नजर आईं।

कटरीना और उनकी सास वीना के मंदिर के अंदर के वीडियो और फोटोज सोशल मीडिया पर वायरल हो गए हैं। फैंस भी एक्ट्रेस के विनम्र स्वभाव की तारीफ कर रहे हैं। साथ ही उन्हें परफेक्ट बहू बताया गया।

कटरीना-विक्की की शादी को तीन साल पूरे

बता दें, 9 दिसंबर को कटरीना कैफ और विक्की कौशल की शादी को तीन साल पूरे हो गए हैं। इस बार एनिवर्सरी सेलिब्रेट करने के लिए दोनों राजस्थान गए थे, जहां की तस्वीरें भी एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की थीं, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा था, 'जंगल में बिताए 48 घंटे।'

'जी ले जरा' में जल्द आएंगी नजर

कटरीना कैफ श्रीराम राघवन की फिल्म 'मेरी क्रिसमस' में विजय सेतुपति के साथ दिखाई दी थीं। वहीं, अब वह जल्द ही फरहान अख्तर की फिल्म 'जी ले जरा' में नजर आएंगी। इसमें उनके साथ लीड रोल में प्रियंका चोपड़ा और आलिया भट्ट भी नजर आएंगी। फिल्म जी ले जरा की अनाउंसमेंट 2021 में की गई थी। ये 3 लड़कियों की रोड ट्रिप की कहानी होने वाली है, जिसे फरहान अख्तर डायरेक्ट करेंगे। फिल्म को जोया अख्तर ने लिखा है। इसके प्रोड्यूसर्स में रीमा कागती, जोया अख्तर, रितेश सिधवाना और फरहान अख्तर शामिल हैं।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099